भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

भाविप्रा द्वारा 36 वें सैटेलाइट आधारित ऑग्मेंटेशन प्रणाली (इंटरऑपरेबिलिटी वर्किंग ग्रुप (आईडब्ल्यूजी) बैठक का आयोजन।

नई दिल्ली, 04 फरवरी, 2020 : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 4 फरवरी से 7 फरवरी, 2020 तक ऐलॉफ्ट, होटल ऐरोसिटी, नई दिल्ली में 36वें सैटेलाइट आधारित ऑग्मेंटेशन प्रणाली (इंटरऑपरेबिलिटी वर्किंग ग्रुप बैठक का आयोजन किया

श्री विनीत गुलाटी, सदस्य (एएनएस),भाविप्रा ने आईडब्ल्यूजी के सह-अध्यक्षों श्री ग्रेग थॉम्पसन और डॉ. डिडिएर फ्लामेंट, डीजीसीए, आईएसआरओ (इसरो) के वरिष्ठ अधिकारियों और आईडब्ल्यूजी के सदस्य देशों यथा संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, जापान, रूस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया आदि से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर आज इस कार्यक्रम का उदघाटन किया ।

यह चार दिवसीय बैठक एसबीएएस की प्रक्रियाओं, कार्यान्वयन और योजनाओं के स्टेटस के साथ-साथ आईडब्ल्यूजी के सदस्य देशों यथा अमेरिका, कनाडा, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अन्यों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न तकनीकी सत्रों पर केन्द्रित होगा। एसबीएएस आईडब्ल्यूजी की बैठकें संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के प्रतिनिधियों की सह-अध्यक्षता के साथ-साथ ऑपरेशनल सैटेलाइट आधारित ऑग्मेंटेशन प्रणाली (SBAS) के अन्य एयर नेविगेशन सेवा प्रदाताओं - EGNOS- यूरोप, WAAS-यूएसए , C-WAAS- कनाडा, MSAS -जापान ।

एसबीएएस इंटरऑपरेबिलिटी वर्किंग ग्रुप (आईडब्ल्यूजी) एसबीएएस प्रणालियों की अंतर-व्यवहार्यता से संबन्धित मामलों की कार्य-प्रणाली पर विस्तृत चर्चा करने हेतु, एसबीएएस प्रदाताओं के लिए एक मंच है, जिसका लक्ष्य उपयोगकर्ताओं के लिए सहज संचालन प्रदान करना है। विश्व में आगे आने वाले सेवा प्रदाता BDSBAS-चीन, KASS- दक्षिण कोरिया, ASECN-अफ्रीका, SDCM-Russia, SPAN- ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड हैं।

उपरोक्त देशों द्वारा एसबीएएस सेवाओं के कार्यान्वयन के साथ,उपग्रह आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पूरे विश्व में सुरक्षित एवं कुशल विमान संचालन हेतु निर्बाध नेविगेशन प्रदान किया जा सकता है।

साथ ही, भाविप्रा 6 फरवरी, 2020 को विभिन्न एयरलाइनों, रिसीवर/विमान के मूल उपकरण बनाने वाले निर्माताओं (ओईएम) के साथ, नागर विमानन इंडस्ट्री को एसबीएएस के उपयोग के अनुरूप बनाने जैसे विषय पर विचार-विमर्श करने के लिए भी, एक कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है। अलग से आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय/अंतर्देशीय एयरलाइनों,रिसीवर/विमान के मूल उपकरण बनाने वाले निर्माताओं द्वारा भाग लेने की आशा है ।

उद्घाटन भाषण के दौरानए श्री विनीत गुलाटी, सदस्य (एएनएस), भाविप्रा ने कहा, इस 36वीं एसबीएएस इंटरऑपरेबिलिटी वर्किंग ग्रुप बैठक, जिसमें आज विविध देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैंए की मेजबानी करना भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के लिए सम्मान की बात है। हम भारतीय सैटेलाइट पर आधारित ऑग्मेंटेशन सिस्टम -**गगन** के उपयोग की व्यवस्था के लिए पड़ोसी देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

भारत के सैटेलाइट आधारित नेविगेशन कार्यक्रम **"गगन"** (जीपीएस एडिड जीईओ ऑग्मेंटिड नेविगेशन) की संकल्पना एवं इसका विकास भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) और भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। **गगन** को दिसम्बर, 2013 के बाद से एनरूट ((RNP 0.1) संचालन तथा अप्रैल, 2015 से वरटिकल गाइडेन्स सहित अप्रोच (APV 1) के लिए नागर विमानन महानिदेशक (डीजीसीए) द्वारा प्रमाणित किया गया है और यह सैटेलाइट आधारित नेविगेशन के क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिकाए यूरोप और जापान जैसे संभ्रांत देशों के समूह में शामिल हो गया है।

देश में एयर नेविगेशन सेवाओं का एकमात्र प्रदाता होने के नातेए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण विमानन समुदाय की ज़रूरतों की ओर निरंतर प्रतिक्रियाशील होने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। भाविप्रा वैश्विक कार्य क्षेत्र में नेतृत्व प्रधान बनने और विश्व-स्तरीय सेवाएं प्रदान करने में अन्य प्रमुख एएनएसपीज़ के समकक्ष पहुंचने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है।

इसके अतिरिक्तए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण पड़ोसी देशों के लिए **गगन** सेवाओं के विस्तार की योजना बनाने के साथ-साथ भारत में हवाई अड्डों के लिए **गगन** आधारित एलपीवी प्रक्रियाओं के विकास की प्रक्रिया में भी लगा हुआ है।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी
कृपया अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
महाप्रबंधक (नि. सं.) 011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति सं 58/2019-20

श्री विनीत गुलाटी, सदस्य (एएनएस) भाविप्रा आईडब्ल्यूजी के सह-अध्यक्षों श्री ग्रेग थॉम्पसन और डॉ. डिडिएर फ्लामेंट, डीजीसीए, आईएसआरओ (इसरो) के वरिष्ठ अधिकारियों और आईडब्ल्यूजी के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 36वीं सैटेलाइट आधारित ऑग्मेंटेशन प्रणाली (SBAS) इंटरऑपरेबिलिटी वर्किंग ग्रुप (आईडब्ल्यूजी) बैठक का उद्घाटन करते हुए ।